जे. एम. डब्ल्यू. टर्नर (Joseph Mallord William Turner

जे. एम. डब्ल्यू. टर्नर (Joseph Mallord William Turner ब्रिटेन के श्रेष्ठ तथा प्रमुख प्राकृतिक श्य चत्रकारों में से एक थे। उनका जन्म 23 अप्रैल 1775 को लंदन में हुआ था। उन्होंने अंग्रेज़ी चत्रकला को एक नई दिशा प्रदान की, जिसमें प्रकृति की शक्ति, प्रकाश का जादू, और मनोभावों की गहराई को एक साथ प्रस्तुत कया गया। टर्नर को "Painter of Light" कहा जाता है, और उनके चत्रों में प्रकाश, रंग, और गति का जो प्रभावशाली मेल दिखाई देता है, वह उन्हें यूरोपीय चत्रकला के इतिहास में एक व शष्ट स्थान प्रदान करता है।

टर्नर की चत्रकला ने पारंपरिक प्राकृतिक श्य चत्रण की सीमाओं को तोड़कर एक ऐसे सौंदर्यबोध की रचना की, जो इंद्रिय और आत्मा–दोनों को स्पर्श करता है। वे प्रकृति को केवल शांत सौंदर्य के रूप में नहीं, बल्कि उसकी भीषणता, रहस्य, और अराजक ऊर्जा के रूप में भी चत्रित करते थे।

प्रारं भक जीवन

टर्नर का बचपन संघर्षों से भरा था। उनके पता एक नाई थे और माँ मान सक रोग से पी ड़त थीं। कठिन पारिवारिक परिस्थितियों के बावजूद, Turner की कला के प्रति रु च प्रारंभ से ही प्रबल थी। 14 वर्ष की आयु में वे Royal Academy of Arts में प्रवेश ले चुके थे, जहाँ उन्होंने तेजी से प्रगति की और युवा अवस्था में ही अपनी प्रतिभा से सबका ध्यान आक र्षत कया।

उन्होंने न केवल औपचारिक अकाद मक शक्षा प्राप्त की, बल्कि ब्रिटेन और यूरोप की यात्राएँ कर-करके उन्होंने प्रकृति, स्थापत्य, और समुद्र के व वध स्वरूपों का गहन अध्ययन कया।

उनकी प्राकृतिक श्य चत्रण शैली प्रारंभ में पारंपरिक लैंडस्केप के अनुरूप थी, जिसमें Claude Lorrain और Dutch masters का प्रभाव देखा जा सकता है। परंतु जैसे-जैसे उनका आत्म वश्वास और ष्टि वक सत हुई, उनकी शैली और अ धक मुक्त, गतिशील और अमूर्त होती गई।

उनके चत्रों की उल्लेखनीय वशेषता थी प्रकाश और रंग का प्रयोग। उन्होंने पारंपरिक चत्रण की सीमाओं को पार करते हुए, प्रकाश को केंद्रीय वषय बना दिया। उन्होंने तूफान, धुंध, जल और आकाश के प्रभावों को गहराई से पकड़ा। उनकी चत्रों में Brushwork स्वतःस्फूर्त, तेज और भावनात्मक होता था, जो आगे चलकर Impressionism की आधार शला बना।

उनके चत्रों में गति की अनुभूति भी अद् वतीय है। उन्होंने केवल वस्तुओं का चत्रण नहीं कया, बल्कि उस क्षण की ऊर्जा, परिवर्तनशीलता और प्रकृति की संवेगशीलता को कैनवास पर चत्रित कया।

प्र सद्ध कृतियाँ

“The Fighting Temeraire” (1839)
यह Turner की सबसे प्र सद्ध कृतियों में से एक है, जिसमें एक पुराने युद्धपोत Temeraire को एक छोटे भाप चा लत जहाज द्वारा अंतिम बार खींचते हुए दर्शाया गया है। सूर्यास्त की पीली और नारंगी आभा में डूबा यह चत्र केवल श्य सौंदर्य नहीं है, बल्कि यह युग परिवर्तन का प्रतीक है – पुराने वैभव का अवसान और नवीन तकनीक की पदचाप। यह चत्र भावनात्मक रूप से गहरे स्तर पर राष्ट्र, परंपरा और समय की प्रकृति को स्पर्श करता है।

“Rain, Steam and Speed – The Great Western Railway” (1844)
इस चत्र में एक ट्रेन बारिश और धुंध के बीच तेज़ी से दौड़ती दिखाई देती है। यह Turner की आधुनिकता के प्रति प्रति क्रया को दर्शाता है – गति, प्रगति, और औद्यो गक युग का प्रभुत्व। चत्र के Brushstrokes इतने गतिशील हैं क देखने वाला मानो उस गति का हिस्सा बन जाता है। यह अमूर्तता और यथार्थ के बीच की एक सुंदर कड़ी है।

“Snow Storm – Steam-Boat off a Harbour’s Mouth” (1842)
इस चत्र में Turner ने समुद्र की क्रूरता, बर्फीले तूफान की तीव्रता और भाप-नाव की जद्दोजहद को रंगों और घूर्णनशील रूपों से दर्शाया है। यह चत्र दर्शक को तूफान के बीच फेंक देता है, जहाँ प्रकृति की शक्ति और मानव प्रयास का संघर्ष दर्शाया गया है।

“Slavers Throwing Overboard the Dead and Dying” (1840)
यह टर्नर का सबसे मा र्मक और नैतिक ष्टि से गंभीर चत्र है। इसमें गुलाम व्यापारियों द्वारा मरे हुए और बीमार गुलामों को समुद्र में फेंकते हुए दर्शाया गया है, ता क बीमा रा श प्राप्त की जा सके। लाल, नारंगी और काले रंगों में डूबा यह चत्र अमानवीयता, लालच और प्रकृति की प्रति क्रया का प्रतीक है। Turner ने इस चत्र के माध्यम से सामाजिक न्याय के पक्ष में अपनी कला को एक माध्यम बनाया।

उनका निधन 19 दिसम्बर 1851 को लंदन में हुआ। उन्होंने अपनी अ धकांश संप त्त कलाकारों के लए एक चैरिटी को दे दी और अपनी कृतियाँ राष्ट्र को सम र्पत कर दीं। आज उनके चत्र London के Tate Britain संग्रहालय में "The Clore Gallery" में वशेष रूप से संर क्षत हैं।

टर्नर का प्रभाव केवल इंग्लैंड में ही सी मत नहीं रहा, उन्होंने फ्रांसीसी Impressionists जैसे Monet और Pissarro को भी प्रेरित कया। उन्होंने पारंपरिक लैंडस्केप चत्रण को एक भावात्मक और वैचारिक अ भव्यक्ति में परिवर्तित कया।

टर्नर ने प्रकृति को रंगों और प्रकाश के माध्यम से उकेरा। उन्होंने कला को यथार्थ की सीमाओं से मुक्त कर एक आत्मिक अनुभूति में रूपांतरित कया। उनकी कृतियाँ आज भी न केवल उनकी तकनीकी प्रतिभा को दर्शाती हैं, बल्कि वे मानवीय चेतना, समय और परिवर्तन के प्रतीक भी बन चुकी हैं। Turner ने न केवल अंग्रेज़ी चत्रकला को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव दिलाया, बल्कि उन्होंने यह प्रमा णत कया क एक कलाकार जब संवेदना और साहस के साथ रंगों को प्रयोग करता है, तो वह प्रकृति के भीतर छिपे सत्य को उद्घाटित कर सकता है।